

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution



**Structure and Curriculum of Four Year Multidisciplinary
Degree (Honors/Research) Programme with Multiple
Entry and Exit option**

Undergraduate Programme of Art's

B.A. First Year

Board of Studies

in

Department of Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

[UG I Year]

॥ आरोग्यं तमसो ज्योतिः ॥

w.e.f. June, 2026

(In Accordance with NEP-2020)

Review Statement

The NEP Cell reviewed the Curriculum of **UG First Year** to be effective from the **Academic Year 2026-27**. It was found that, the structure is as per the NEP-2020 guidelines of Govt. of Maharashtra.

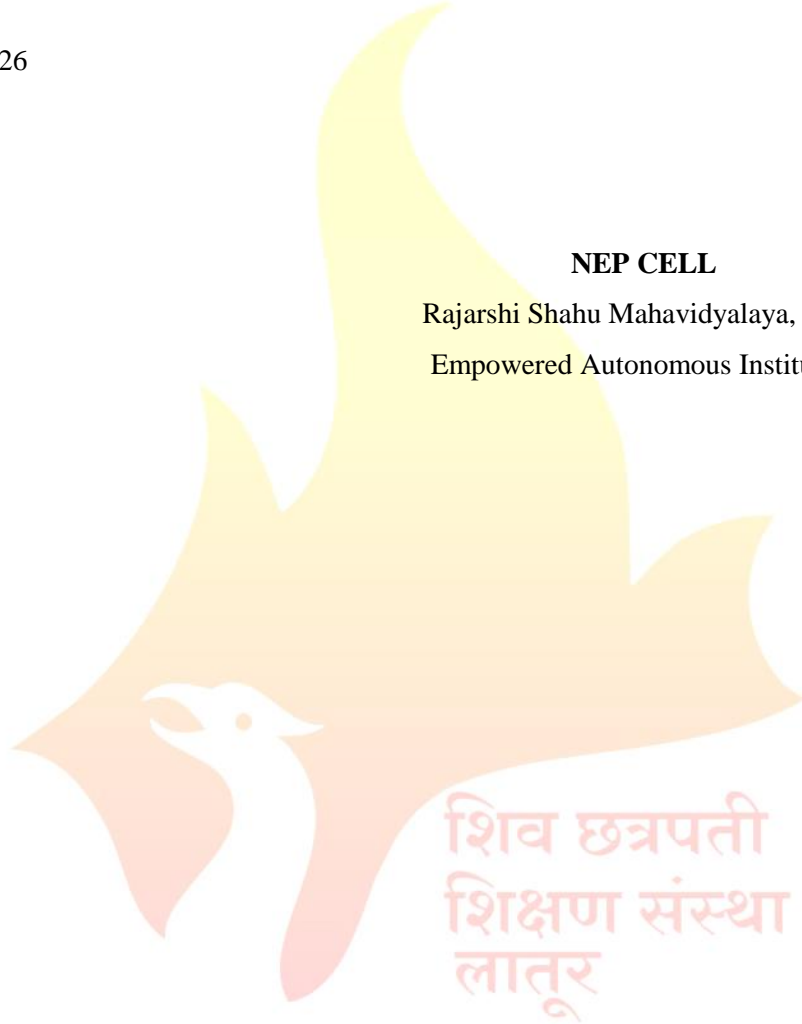
Date: 16 /04/2026

Place: Latur

NEP CELL

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution



॥ आर्योह तमसो ज्योतिः॥

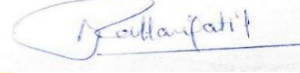
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

CERTIFICATE

I hereby certify that the documents attached are the Bonafide copies of the Curriculum of UG.
First Year to be effective from the **Academic Year 2026-27.**

Date: 16 /04/2026

Place: Latur



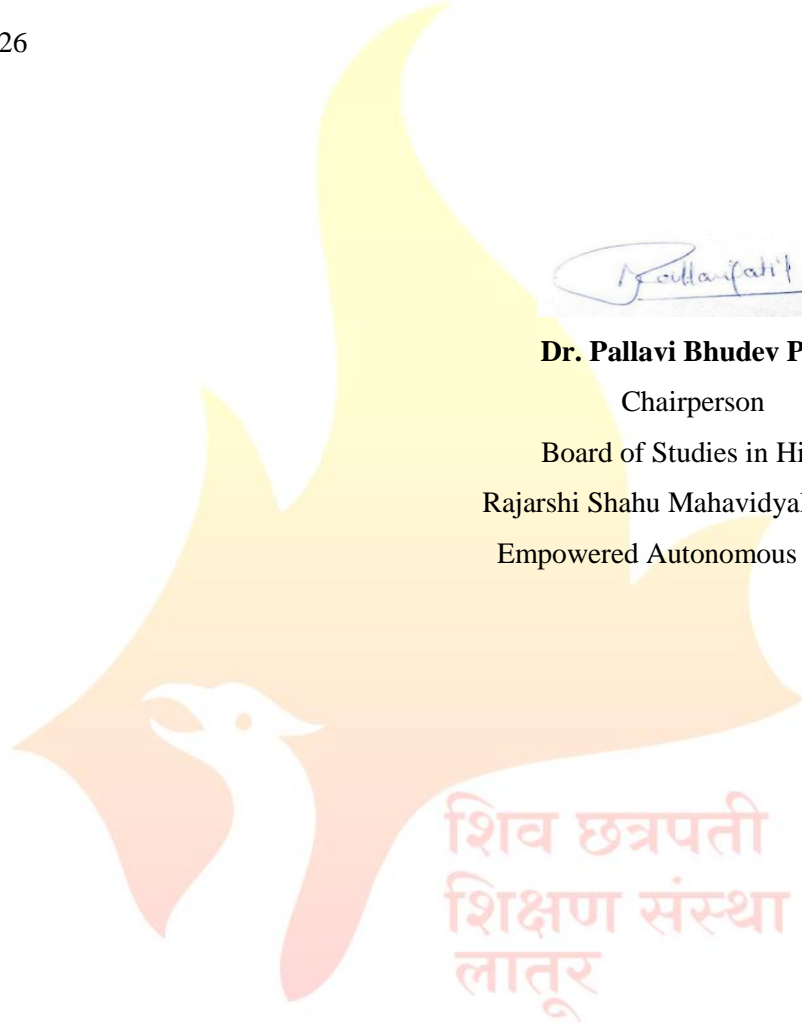
Dr. Pallavi Bhudev Patil

Chairperson

Board of Studies in Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution



शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर

॥ आर्योह तमसो ज्योतिः ॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Members of Board of Studies in Hindi

Under the Faculty of B. A. First Year

Sr. No.	Name	Designation	In position
1	Dr. Pallavi B. Patil , Asso..Prof.,and HoD, RSML	Chairperson	HoD
2	Dr. Babankumar Bodke , HoD., Dept. of Hindi, Mahatma Phule Mahavidyalaya, Kingaon	Member	V.C. Nominee
3	Dr. Rajkumar Jadhav , Dept of Hindi, Vasantrya kale Mahavidyalaya , Dhoki	Member	Academic Council Nominee
4	Dr. Sadanand K. Bhosale , Dept. of Hindi, Savitribai Phule Pune University, Pune	Member	Expert from outside for Special Course
5	-	Member	Expert from outside for Special Course
6	-	Member	Expert from Industry
7	Dr. Dilip Gujarge , Department of Hindi, Jaykranti College, Latur	Member	P.G. Alumni
8	Prof. S.R. Chavan , Assit Prof. RSML	Member	Faculty Member
9	Prof. A.D. Landge , Assit Prof. RSML	Member	Faculty Member

शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर

॥ आर्यो ह तमसो ज्योतिः ॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)

From the Desk of the Chairperson...

राजर्षि शाहू महाविद्यालय की स्थापना से अर्थात् लगभग १९७० से हिंदी विभाग कार्यरत है। इ. स. २०१३ से महाविद्यालय ने स्वायत्तता स्वीकार की थी तभी से विभाग हर प्रकार से छात्रों की दृष्टि से पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए उमदा अध्ययन मंडल का निर्माण विभाग ने किया है। अपने अध्ययन मंडल के सम्माननीय सुझावों के कारण हम पाठ्यक्रम स्तरीय बना पाए हैं। नई शिक्षा प्रणाली (NEP2020) पाठ्यक्रम में उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, कविता, निबंध, आत्मकथा, जीवनी रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत आदि साहित्यिक विधाओं द्वारा छात्रों में सृजनशीलता, कल्पना शक्ति को विकसित करना साथ में छात्रों के लिए विविध भाषाई कौशल, अनुवाद, पटकथा लेखन, विज्ञापन लेखन, कंप्यूटर, पत्र लेखन, व्याकरण तथा भाषा विज्ञान को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। इससे छात्रों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

पाठ्यक्रम को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विभाग सतत अग्रेसर रहता है। विभाग में पिछले 55 वर्षों से अधिक हिंदी दिवस समारोह मनाता आ रहा है। समय-समय पर छात्रों के लिए विविध विषयों पर कार्यशालाएं तथा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। अलग-अलग विषयों पर सेमिनार, वेबिनर, राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। छात्रों के असाइनमेंट में छात्रों के कौशलों को विकसित किया जाता है, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं। रंगोली, देशभक्तिपरक गीत गायनज जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ।

बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल ॥

- भारतेंदु जी

शिव छत्रपति
शिक्षण संस्था
लातूर

Chairperson

Dr. Pallavi Bhudev Patil

Board of Studies in Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

॥ आर्योह तमसो ज्योतिर्गता ॥
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Index

Sr. No.	Content	Page No.
1	Structure for Four Year Multidisciplinary UG Programme	1
2	Abbreviations	2
3	Courses and Credits	3
4	UG Program Outcomes	4
5	UG Programme Specific Outcomes	5
6	Curriculum: Semester-I	6
	DSC I : कथा साहित्य	7
	DSC II : नाटक तथा एकांकी	10
	VSC I : व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 01)	13
7	Curriculum: Semester-II	19
	DSC III : उपन्यास साहित्य	20
	DSC IV : आत्मकथा एवं जीवनी	23
	VSC II : व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 02)	26
8	Basket I: Open Elective (OE)	-
9	Basket II: Skill Enhancement Courses (SEC)	-
10	Basket III: Ability Enhancement Courses (AEC)	29
11	Extra Credit Activities	32
12	Examination Framework	34

॥ आर्यो ह तमसो ज्योतिः ॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Structure for Four Year Multidisciplinary Undergraduate Degree Programme in BA FY
Multiple Entry and Exit (In accordance with NEP-2020)

Year & Level	Sem	Major		Minor	OE	VSC/ SEC (VSEC)	AEC/ VEC	OJT,FP,CEP, RP	Credit per Sem.	Cum./Cr. per exit
		DSC	DSE							
1	2	3		4	5	6	7	8	9	10
I 4.5	I	DSC I: 04 Cr. DSC II: 04 Cr.	NA	NA	OE-I: 04 Cr.	VSC-I: 02 Cr. SEC-I: 02 Cr.	AEC-I MIL: 02 Cr. VEC-I: 02 Cr.	CC-I: 02 Cr. (NSS, NCC, Sports, Cultural)/ CEP-I: 02 Cr. (SES-I)/ OJT: 02 Cr. / Mini Project: 02 Cr.	22	44 Cr. UG Certificate
	II	DSC III: 04 Cr. DSC IV: 04 Cr.	NA	NA	OE-II: 04 Cr.	VSC-II: 02 Cr. SEC-II: 02 Cr.	AEC- II MIL: 02 Cr. VEC- II: 02 Cr.	Generic IKS: 02 Cr.	22	
	Cum. Cr.	16	-	-	08	04+04= 08	04+02 +02=0 8	04	44	
<p>Exit Option: Award of UG Certificate in Major with 44 Credits and Additional 04 Credits Core NSQF Course / Internship or continue with Major and Minor</p>										

Abbreviations:

1. DSC : Discipline Specific Core (Major)
2. DSE : Discipline Specific Elective (Major)
3. DSM : Discipline Specific Minor
4. OE : Open Elective
5. VSEC : Vocational Skill and Skill Enhancement Course
6. VSC : Vocational Skill Course
7. SEC : Skill Enhancement Course
8. AEC : Ability Enhancement Course
9. MIL : Modern Indian Languages
10. IKS : Indian Knowledge System
11. FSRCE : Fostering Social Responsibility & Community Engagement
12. VEC : Value Education Course
13. OJT : On Job Training
14. FP : Field Project
15. CEP : Community Engagement Programme
16. CC : Co-Curricular Course
17. RP : Research Project/Dissertation
18. SES : Shahu Extension Services

शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर

॥ आरोह तमसो ज्योतिः ॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

UG I

Year & Level	Semester	Course Code	Course Title	Credits	No. of Hrs.	
I 4.5	I	101HIN1101 (DSC-I)	कथा साहित्य	04	60	
		101HIN1102 (DSC-II)	नाटक तथा एकांकी	04	60	
		OE-I	From Basket	04	60	
		101HIN1501 (VSC-I)	व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 01)	02	30	
		(SEC-I)	From Basket	02	30	
		(AEC-I)	From Basket	02	30	
		(VEC-I)	Constitution of India	02	30	
		AIPC/OJT-I	Mini Project – I	02	60	
	Total Credits				22	
	II	101HIN2101 (DSC-III)	उपन्यास साहित्य	04	60	
		101HIN2012 (DSC-IV)	आत्मकथा एवं जीवनी	04	60	
		OE-II	From Basket	04	60	
		101HIN2501 (VSC-II)	व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 02)	02	30	
		(SEC-II)	From Basket	02	30	
		(AEC-II)	From Basket	02	30	
		CC	CC – I	02	30	
		Generic IKS	Introduction to Indian Knowledge System	02	30	
	Total Credits				22	
	Total Credits (Semester I & II)				44	



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Name of the Programme : BA First Year

Programme Outcomes (POs) for BA First Year (Hindi)	
PO 1	साहित्यिक एवं भाषाई ज्ञान का अधिग्रहण विद्यार्थी हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं (कथा, नाटक, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, कविता, गज़ल आदि) और भाषा शिक्षण के मूलभूत सिद्धांतों का गहन ज्ञान प्राप्त करेंगे।
PO 2	आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक सोच विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन कर सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भों का आलोचनात्मक विवेचन करेंगे।
PO 3	सृजनात्मक अभिव्यक्ति कौशल विद्यार्थी कविता, गज़ल, कहानी, नाटक और अन्य विधाओं में सृजनात्मक लेखन कर अपनी अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करेंगे।
PO 4	संप्रेषण एवं वक्तृत्व दक्षता विद्यार्थी संभाषण, निवेदन, वाद-विवाद और मंच संचालन में प्रभावी संप्रेषण और वक्तृत्व कौशल प्रदर्शित करेंगे।
PO 5	सामाजिक-सांस्कृतिक संवेदनशीलता विद्यार्थी साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, संस्कृति, परंपरा और समकालीन समस्याओं की गहरी समझ विकसित करेंगे।
PO 6	नैतिकता, मूल्यबोध और सामाजिक जिम्मेदारी विद्यार्थी साहित्यिक अध्ययन से मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी को आत्मसात करेंगे।
PO 7	अनुसंधान एवं डिजिटल दक्षता विद्यार्थी साहित्यिक अनुसंधान की विधियों को समझकर स्वतंत्र शोध कार्य करेंगे और डिजिटल माध्यमों पर संप्रेषण व प्रस्तुति में दक्षता प्राप्त करेंगे।
PO 8	जीवन कौशल एवं रोजगारपरकता विद्यार्थी भाषा और साहित्यिक अध्ययन से आत्मविश्वास, नेतृत्व, सहभागिता और रोजगारपरक दक्षता विकसित करेंगे।



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Programme Specific Outcomes (PSOs) for BA First Year (Hindi)	
PSO No.	After completion of this programme the students will be able to -
PSO 1	साहित्यिक विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन और मूल्यांकन विद्यार्थी हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, नाटक, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, कविता, ग़ज़ल आदि) का तुलनात्मक और आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
PSO 2	सृजनात्मक लेखन और अभिव्यक्ति कौशल विद्यार्थी विभिन्न साहित्यिक रूपों में (कहानी, कविता, ग़ज़ल, नाटक) सृजनात्मक लेखन कर अपनी अभिव्यक्ति और लेखन क्षमता को विकसित करेंगे।
PSO 3	संप्रेषण और प्रस्तुति दक्षता विद्यार्थी संभाषण, निवेदन, वाद-विवाद, वक्तृत्व और मंच संचालन में व्यावहारिक संप्रेषण एवं प्रस्तुति कौशल प्रदर्शित करेंगे।
PSO 4	सामाजिक-सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलता विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों के माध्यम से भारतीय समाज, संस्कृति, इतिहास और समकालीन समस्याओं की गहरी समझ विकसित करेंगे।

॥ आरोह तमसो ज्योतिः ॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Semester - I

शिक्षण संस्था
लातूर

॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Department of Hindi

UG I Sem I

Course Type: DSC I

Course Title: कथा साहित्य

Course Code: 101HIN1101

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO 1. कहानी की अवधारणा और तत्वों की पहचान-
विद्यार्थियों को कहानी की परिभाषा, स्वरूप, विशेषताओं और आवश्यक तत्वों को समझाकर उनका विश्लेषण करना।
- LO 2. हिंदी कहानी के उद्भव और विकास का अध्ययन-
विद्यार्थियों को हिंदी कहानी की परंपरा, प्रारंभिक स्वरूप, पहली कहानी और विभिन्न युगों (प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन, प्रेमचंदोत्तर) के विकासक्रम को समझाना।
- LO 3. आधुनिक एवं समकालीन कहानियों का सामाजिक-सांस्कृतिक विश्लेषण-
विद्यार्थियों को आधुनिक और समकालीन कहानियों में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक मुद्दों को पहचानकर उनका आलोचनात्मक विवेचन कराना।
- LO 4. साहित्यिक आलोचना और अभिव्यक्ति कौशल का विकास-
विद्यार्थियों को कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन कर अपनी आलोचनात्मक दृष्टि, अभिव्यक्ति और लेखन कौशल को विकसित कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO1. कहानी की संकल्पना और तत्वों की समझ
विद्यार्थी कहानी की परिभाषा, स्वरूप, विशेषताओं और आवश्यक तत्वों को पहचानने और विश्लेषित करने में सक्षम होंगे।
- CO2. आधुनिक हिंदी कहानियों का अध्ययन और मूल्यांकन
विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कहानियों के कथानक, पात्र, भाषा और सामाजिक यथार्थ का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
- CO3. हिंदी कहानी के उद्भव और विकास का ऐतिहासिक दृष्टिकोण
विद्यार्थी हिंदी कहानी की परंपरा, प्रारंभिक स्वरूप, पहली कहानी और उसके विकासक्रम (प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन, प्रेमचंदोत्तर) को समझ पाएंगे।
- CO4. समकालीन हिंदी कहानियों का सामाजिक-राजनीतिक विश्लेषण और आलोचना, अभिव्यक्ति कौशल का विकास
विद्यार्थी समकालीन कहानियों में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक मुद्दों को पहचानकर उनका विवेचन करते हुए कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन कर अपनी आलोचनात्मक दृष्टि, अभिव्यक्ति और लेखन कौशल को विकसित करेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	कहानी की अवधारणा और तत्व	15
	<ol style="list-style-type: none"> कहानी की परिभाषा एवं स्वरूप कहानी की विशेषताएं कहानी के तत्व <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी कहानी की परिभाषा, स्वरूप और विशेषताओं को समझ पाएंगे।</p> <p>UO 2 विद्यार्थी कहानी के मूलभूत तत्वों (कथानक, पात्र, संवाद, वातावरण आदि) का विश्लेषण कर सकेंगे।</p>	
II	आधुनिक कहानियाँ	15
	<ol style="list-style-type: none"> उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी ईदगाह - प्रेमचंद पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद <p>Unit Outcome:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कहानियों के कथानक और पात्रों का अध्ययन कर सामाजिक यथार्थ को समझ पाएंगे।</p> <p>UO 2 विद्यार्थी गुलेरी, प्रेमचंद और प्रसाद की कहानियों के माध्यम से आधुनिक हिंदी साहित्य की संवेदनशीलता और शैलीगत विशेषताओं को पहचान सकेंगे।</p>	
III	हिंदी कहानी उद्भव और विकास	15
	<ol style="list-style-type: none"> कहानी की परंपरा और युगीन परिस्थितियाँ हिंदी की प्रारंभिक कहानियाँ हिंदी की पहली कहानी हिंदी कहानी विकास के सोपान – प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन एवं प्रेमचंदोत्तर कहानी <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी हिंदी कहानी की परंपरा, प्रारंभिक स्वरूप और पहली कहानी के ऐतिहासिक महत्व को समझ पाएंगे।</p> <p>UO 2 विद्यार्थी प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन और प्रेमचंदोत्तर कहानियों के विकासक्रम का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।</p>	
IV	समकालीन कहानियाँ	15
	<ol style="list-style-type: none"> पिता - ज्ञानरंजन बंधुआ लोकतंत्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि सिरी उपमा जोग – शिवमूर्ति <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी समकालीन कहानियों में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक मुद्दों को पहचानकर उनका आलोचनात्मक विवेचन कर सकेंगे।</p> <p>UO 2 विद्यार्थी ज्ञानरंजन, ओमप्रकाश वाल्मीकि और शिवमूर्ति की कहानियों के माध्यम से समकालीन हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों और दृष्टिकोणों को समझ पाएंगे।</p>	

Learning Resources:

1. आधुनिक हिंदी कहानी – डॉ. नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन – 2005
2. कहानी और यथार्थ – डॉ. रामविलास शर्मा – लोकभारती प्रकाशन – 2002
3. कहानी का विकास – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2010
4. कहानी की परंपरा और प्रवृत्तियाँ – डॉ. नरेन्द्र मोहन – साहित्य भवन – 2011
5. कहानी संग्रह (ईदगाह, अन्य) – प्रेमचंद – लोकभारती प्रकाशन – 2014
6. कहानी संग्रह (उसने कहा था) – चंद्रधर शर्मा गुलेरी – राजपाल एंड संस – 2013
7. कहानी संग्रह (पुरस्कार) – जयशंकर प्रसाद – भारतीय ज्ञानपीठ – 2012
8. समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. काशीनाथ सिंह – राजकमल प्रकाशन – 2016
9. हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. रामचंद्र शुक्ल – लोकभारती प्रकाशन – 2008
10. हिंदी कहानी: उद्भव और विकास – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी – प्रभात प्रकाशन – 2017

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	1	2	1	2	1	3	2	1	2
CO2	2	3	2	1	3	2	1	1	3	2	1	3
CO3	3	2	1	1	2	2	2	1	2	1	1	3
CO4	2	3	2	2	3	3	2	2	3	2	2	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Department of Hindi

UG I Sem I

Course Type: DSC II

Course Title: नाटक तथा एकांकी

Course Code: 101HIN1102

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO 1. **नाटक की समझ विकसित करना**
विद्यार्थियों को नाटक की परिभाषा, स्वरूप और विशेषताओं को पहचानेंगे तथा हिंदी नाटक के उद्भव और विकासक्रम का विश्लेषण करना सीखना।
- LO 2. **विशिष्ट नाटकों का आलोचनात्मक अध्ययन करना**
विद्यार्थियों को वीमा (रत्नकुमार सांभरिया) जैसे नाटकों की समीक्षा, चरित्र चित्रण, संवाद योजना और देशकाल वातावरण का गहन अध्ययन कराना।
- LO 3. **हिंदी एकांकी की अवधारणा को आत्मसात करना**
विद्यार्थियों को हिंदी एकांकी की परिभाषा, प्रकार और विकासगत परंपरा को समझेंगे और विभिन्न एकांकियों का तुलनात्मक विवेचन कराना।
- LO 4. **एकांकियों का विश्लेषण और प्रस्तुति कौशल विकसित करना**
विद्यार्थियों को महाभारत की साँझ और कपिलवस्तु राजवधु जैसी एकांकियों का अध्ययन कर उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक महत्व को समझाना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO 1. **नाटक की सैद्धांतिक समझ (Autonomous)**
विद्यार्थी नाटक की परिभाषा, स्वरूप, विशेषताओं और हिंदी नाटक के उद्भव एवं विकासक्रम को गहराई से समझ पाएंगे।
- CO 2. **विशिष्ट नाटकों का आलोचनात्मक विवेचन**
विद्यार्थी वीमा जैसे नाटकों का समीक्षा-आधारित अध्ययन करेंगे, जिसमें चरित्र चित्रण, संवाद योजना और देशकाल वातावरण का विश्लेषण शामिल होगा।
- CO 3. **हिंदी एकांकी की परंपरा का ज्ञान**
विद्यार्थी हिंदी एकांकी की अवधारणा, प्रकार और विकासगत परंपरा को आत्मसात करेंगे तथा साहित्यिक परंपरा में इसकी भूमिका को समझेंगे।
- CO 4. **एकांकियों का विश्लेषण और प्रस्तुति कौशल**
विद्यार्थी महाभारत की साँझ और कपिलवस्तु राजवधु जैसी एकांकियों का अध्ययन कर उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व का मूल्यांकन करेंगे और मंचीय प्रस्तुति की दृष्टि से उनका विश्लेषण कर सकेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	नाटक का विकास और तत्व	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. नाटक की परिभाषा , स्वरूप एवं विशेषताएं 2. हिंदी नाटक उद्भव और विकास 3. नाटक के तत्व <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी नाटक की परिभाषा, स्वरूप और विशेषताओं को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे।</p> <p>UO 2 विद्यार्थी हिंदी नाटक के उद्भव, विकास और उसके प्रमुख तत्वों का विश्लेषण कर सकेंगे।</p>	
II	नाटक – वीमा – (रत्नकुमार सांभरिया)	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. वीमा – समीक्षा 2. वीमा – चरित्र चित्रण 3. वीमा – संवाद योजना 4. वीमा - देशकाल वातावरण <p>Unit Outcome:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी वीमा नाटक की समीक्षा कर उसके साहित्यिक महत्व को समझेंगे।</p> <p>UO 2 विद्यार्थी पात्रों, संवाद योजना और देशकाल वातावरण का आलोचनात्मक विवेचन कर सकेंगे।</p>	
III	हिंदी एकांकी की अवधारणा	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. हिंदी एकांकी – परिभाषा एवं विशेषताएं 2. हिंदी एकांकी के प्रकार 3. हिंदी एकांकी - विकासगत परंपरा <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी हिंदी एकांकी की परिभाषा, विशेषताओं और प्रकारों को आत्मसात करेंगे।</p> <p>UO 2 विद्यार्थी हिंदी एकांकी की विकासगत परंपरा का अध्ययन कर उसकी साहित्यिक भूमिका को समझेंगे।</p>	
IV	एकांकियों	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. महाभारत की साँझ – डॉ भारत भूषण अग्रवाल 2. कपिलवस्तु राजवधु – सावित्री रांका <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी महाभारत की साँझ और कपिलवस्तु राजवधु जैसी एकांकियों का विश्लेषण कर उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व को समझेंगे।</p> <p>UO 2 विद्यार्थी इन एकांकियों की मंचीय प्रस्तुति की दृष्टि से समीक्षा कर सकेंगे।</p>	

Learning Resources:

1. आधुनिक हिंदी नाटक – डॉ. नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन – 2008
2. एकांकी और नाटक – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2010
3. कहानी से नाटक तक – डॉ. नरेन्द्र मोहन – साहित्य भवन – 2011
4. नाटक और रंगमंच – डॉ. रामविलास शर्मा – लोकभारती प्रकाशन – 2005
5. नाटक का विकास – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – 2013
6. नाटक समीक्षा – डॉ. रामकृष्ण शर्मा – साहित्य भवन – 2016
7. नाटक तत्व और परंपरा – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – 2014
8. भारतीय नाटक परंपरा – डॉ. भारत भूषण अग्रवाल – भारतीय ज्ञानपीठ – 2009
9. हिंदी एकांकी का इतिहास – डॉ. सावित्री रांका – प्रभात प्रकाशन – 2017
10. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास – डॉ. रत्नकुमार सांभरिया – राजकमल प्रकाशन – 2010

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	1	1	2	1	2	1	3	1	1	2
CO2	2	3	2	1	3	2	1	1	3	2	1	3
CO3	3	2	1	1	2	2	2	1	2	1	1	3
CO4	2	3	2	3	3	2	3	2	3	2	3	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Department of Hindi

UG I Sem I

Course Type: VSC I

Course Title: व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 01)

Course Code: 101HIN1501

Credits: 02

Max. Marks: 50

Lectures: 30 Hrs.

Learning Objectives:

- LO 1. **संभाषण कला की समझ विकसित करना**
विद्यार्थियों को संभाषण कला का अर्थ, उसके घटक और प्रकारों को पहचानकर प्रभावी संवाद की मूलभूत अवधारणा को समझाना।
- LO 2. **व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करना**
विद्यार्थियों को संभाषण कला में आने वाली कठिनाइयों को पहचानकर उपयुक्त साधनों और तकनीकों का प्रयोग करना सीखाना।
- LO 3. **वक्तृत्व कला में दक्षता प्राप्त करना**
विद्यार्थियों को वक्तृत्व कला के चरणों, उच्चारण और भाव के महत्व को समझकर प्रभावी भाषण प्रस्तुत करवाना।
- LO 4. **वाद-विवाद में तार्किकता और आत्मविश्वास बढ़ाना**
विद्यार्थियों को वाद-विवाद के प्रमुख तत्वों और लाभों को समझकर तार्किक सोच, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO 1. **संभाषण कला में दक्षता**
विद्यार्थी संभाषण कला की संकल्पना, घटक और प्रकारों को समझकर विभिन्न परिस्थितियों में प्रभावी संवाद कर सकेंगे।
- CO 2. **व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान**
विद्यार्थी संभाषण कला में आने वाली कठिनाइयों को पहचानकर उपयुक्त साधनों और तकनीकों का प्रयोग कर सकेंगे।
- CO 3. **वक्तृत्व कला का विकास**
विद्यार्थी वक्तृत्व कला के चरणों, उच्चारण और भाव के महत्व को समझकर आत्मविश्वासपूर्ण और प्रभावी भाषण प्रस्तुत कर सकेंगे।
- CO 4. **वाद-विवाद में तार्किकता और सहभागिता**
विद्यार्थी वाद-विवाद की प्रक्रिया, तत्वों और लाभों को समझकर तार्किक सोच, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल का विकास कर सकेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	संभाषण कला : संकल्पना	08
	<ol style="list-style-type: none"> 1. संभाषण कला का अर्थ 2. संभाषण कला के अनिवार्य घटक 3. संभाषण के प्रकार 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी संभाषण कला का अर्थ और उसके अनिवार्य घटकों को समझ सके। UO 2. विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के संभाषण की पहचान कर सके और उनका प्रयोग कर सके।	
II	संभाषण कला : व्यावहारिकता	07
	<ol style="list-style-type: none"> 1. संभाषण कला की अनिवार्य बातें 2. संभाषण कला में आने वाली कठिनाईयां 3. संभाषण कला के लिए उपयुक्त साधन 	
	Unit Outcome: UO 1. विद्यार्थी संभाषण कला की व्यावहारिक कठिनाइयों को पहचान सके। UO 2. विद्यार्थी उपयुक्त साधनों का प्रयोग कर प्रभावी संभाषण कर सके।	
III	वक्तृत्व कला	08
	<ol style="list-style-type: none"> 1. वक्तृत्व कला का अर्थ 2. वक्तृत्व कला के चरण 3. वक्तृत्व कला में उच्चारण और भाव का महत्व 4. वक्तृत्व कला के प्रकार 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी वक्तृत्व कला के चरणों को समझकर भाषण की तैयारी कर सके। UO 2. विद्यार्थी उच्चारण और भाव के महत्व को व्यवहार में ला सके और प्रभावी वक्तृत्व प्रस्तुत कर सके।	
IV	वाद – विवाद	07
	<ol style="list-style-type: none"> 1. वाद-विवाद का अर्थ 2. वाद-विवाद के प्रमुख तत्व 3. वाद-विवाद के लाभ 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी वाद-विवाद की प्रक्रिया और प्रमुख तत्वों को समझ सके। UO 2. विद्यार्थी वाद-विवाद में तार्किक सोच और आत्मविश्वास के साथ भाग ले सके।	

Learning Resources:

1. संवाद कला – डॉ. श्यामसुंदर शर्मा – राजकमल प्रकाशन – 2018
2. संभाषण कौशल – डॉ. अर्चना सिंह – हिंदी ग्रंथ अकादमी – 2019
3. संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास – डॉ. पुनीत बिसारिया, डॉ. वीरेन्द्र सिंह यादव – प्रभात प्रकाशन – 2021
4. संचार और भाषा कौशल – डॉ. रेखा त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2017
5. वाद-विवाद और वक्तृत्व कला – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – 2014
6. वाद-विवाद कला – डॉ. राजेश्वर प्रसाद – नेशनल पब्लिशिंग हाउस – 2015
7. वक्तृत्व कला – डॉ. रामकृष्ण शर्मा – साहित्य भवन – 2016
8. वक्तृत्व और संवाद कौशल – डॉ. नीलम वर्मा – हिंदी साहित्य परिषद – 2020
9. व्यक्तित्व विकास और संचार कौशल – डॉ. संजय तिवारी – प्रभात प्रकाशन – 2018
10. संवाद और वाद-विवाद – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – 2013

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	2	2	1	3	2	1	2	2	2	2	3	2
CO2	2	3	1	2	2	2	3	2	2	2	3	2
CO3	2	2	2	3	2	2	2	3	2	3	3	2
CO4	2	3	2	3	2	3	2	3	3	2	3	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Department of Hindi

UG I Sem I

Course Type: AEC I

Course Title: हिंदी भाषा शिक्षण एवं सृजनात्मक लेखन (भाग 01)

Course Code: 101HIN1701

Credits: 02

Max. Marks: 50

Lectures: 30 Hrs.

Learning Objectives:

- LO 1. भाषा और श्रवण कौशल की समझ विकसित करना
विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की प्रकृति, द्वितीय भाषा की संकल्पना और श्रवण कौशल के महत्व को समझाना।
- LO 2. भाषण कौशल में दक्षता प्राप्त करना
विद्यार्थियों में भाषण कौशल का अर्थ, महत्व और प्रभावी उच्चारण के गुणों को आत्मसात कराना।
- LO 3. काव्य लेखन की सृजनात्मकता को बढ़ाना
विद्यार्थियों को कविता की परिभाषा, प्रेरणा, प्रयोजन और भाषा के तत्वों को समझकर सृजनात्मक लेखन करना सीखाना।
- LO 4. काव्य विश्लेषण और संवेदनशीलता विकसित करना
विद्यार्थियों में इक्रबाल और नागार्जुन की कविताओं का अध्ययन कर सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण और साहित्यिक संवेदनशीलता को जागृत करना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO 1. भाषा और श्रवण कौशल में दक्षता
विद्यार्थी हिंदी भाषा की प्रकृति, द्वितीय भाषा की संकल्पना और श्रवण कौशल के महत्व को समझकर व्यवहार में लागू कर सकेंगे।
- CO 2. भाषण कौशल का विकास
विद्यार्थी भाषण कौशल का अर्थ, महत्व और प्रभावी उच्चारण के गुणों को आत्मसात कर आत्मविश्वासपूर्वक प्रस्तुत कर सकेंगे।
- CO 3. काव्य लेखन में सृजनात्मकता
विद्यार्थी कविता की परिभाषा, प्रेरणा, प्रयोजन और भाषा के तत्वों को समझकर सृजनात्मक लेखन कर सकेंगे।
- CO 4. काव्य विश्लेषण और आलोचनात्मक दृष्टि
विद्यार्थी इक्रबाल और नागार्जुन की कविताओं का अध्ययन कर सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व और साहित्यिक संवेदनशीलता का आलोचनात्मक विवेचन कर सकेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	हिंदी भाषा एवं श्रवण कौशल	08
	<ol style="list-style-type: none"> भाषा की प्रकृति एवं द्वितीय भाषा की संकल्पना भाषाई कौशल के प्रकार श्रवण कौशल का अर्थ एवं महत्व 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी भाषा की प्रकृति, द्वितीय भाषा की संकल्पना और भाषाई कौशल के प्रकारों को समझ पाएंगे। UO 2. विद्यार्थी श्रवण कौशल का अर्थ और महत्व को आत्मसात कर व्यवहारिक जीवन में उसका प्रयोग कर सकेंगे।	
II	भाषण कौशल	07
	<ol style="list-style-type: none"> भाषण कौशल का अर्थ एवं महत्व प्रभावी उच्चारण के गुण 	
	Unit Outcome: UO 1. विद्यार्थी भाषण कौशल का अर्थ और महत्व को समझ पाएंगे। UO 2. विद्यार्थी प्रभावी उच्चारण के गुणों को अपनाकर आत्मविश्वासपूर्वक भाषण प्रस्तुत कर सकेंगे।	
III	काव्य लेखन	08
	<ol style="list-style-type: none"> कविता का अर्थ एवं परिभाषा कविता की प्रेरणा और प्रयोजन कविता के तत्व एवं भाषा 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी कविता की परिभाषा, प्रेरणा और प्रयोजन को समझ पाएंगे। UO 2. विद्यार्थी कविता के तत्वों और भाषा का प्रयोग कर सृजनात्मक लेखन कर सकेंगे।	
IV	काव्य	07
	<ol style="list-style-type: none"> सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा – मोहम्मद इक़बाल कालिदास सच-सच बतलाना – नागार्जुन 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी इक़बाल और नागार्जुन की कविताओं का अध्ययन कर उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व को समझ पाएंगे। UO 2. विद्यार्थी इन कविताओं की साहित्यिक संवेदनशीलता और शैलीगत विशेषताओं का आलोचनात्मक विवेचन कर सकेंगे।	

Learning Resources:

- आधुनिक हिंदी कविता – डॉ. नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन – 2008
- काव्य और भाषा – डॉ. रामविलास शर्मा – लोकभारती प्रकाशन – 2005
- काव्य लेखन कला – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – 2013

4. काव्य समीक्षा – डॉ. रामकृष्ण शर्मा – साहित्य भवन – 2016
5. काव्य तत्व और परंपरा – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – 2014
6. कविता का विकास – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2010
7. भाषण कला और कौशल – डॉ. नरेन्द्र मोहन – साहित्य भवन – 2011
8. भाषा और संचार कौशल – डॉ. अर्चना सिंह – हिंदी ग्रंथ अकादमी – 2019
9. हिंदी भाषा और श्रवण कौशल – डॉ. श्यामसुंदर शर्मा – राजकमल प्रकाशन – 2018
10. हिंदी कविता: उद्भव और विकास – डॉ. भारत भूषण अग्रवाल – भारतीय ज्ञानपीठ – 2009

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	1	2	2	1	2	2	2	2	2	2
CO2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	3	3	2
CO3	2	2	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2
CO4	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.

॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Semester - II

शिव छत्रपती
शिक्षण संस्था
लातूर

॥ आरोह तमसो ज्योतिः॥

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Department of Hindi

UG I Sem II

Course Type: DSC III

Course Title: उपन्यास साहित्य

Course Code: 101HIN2101

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

- LO 1. उपन्यास की अवधारणा को समझना
विद्यार्थियों को उपन्यास की व्युत्पत्ति, परिभाषा, स्वरूप और तत्वों का गहन अध्ययन कराना।
- LO 2. प्रमुख उपन्यासकारों के योगदान का विश्लेषण करना
विद्यार्थियों को प्रेमचंद और ममता कालिया जैसे साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझाना।
- LO 3. विशिष्ट उपन्यासों की समीक्षा करना
विद्यार्थियों को गबन और दौड़ जैसे उपन्यासों में चित्रित समस्याओं, पात्रों और सामाजिक यथार्थ का मूल्यांकन कराना।
- LO 4. हिंदी उपन्यास के विकासक्रम को समझना
विद्यार्थियों को प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन और प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों के विकास सोपानों का अध्ययन कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO 1. सैद्धांतिक समझ
विद्यार्थी उपन्यास की व्युत्पत्ति, परिभाषा, स्वरूप और उसके मूलभूत तत्वों (कथानक, पात्र, संवाद, वातावरण आदि) को समझ पाएंगे।
- CO 2. आलोचनात्मक दृष्टि
विद्यार्थी आधुनिक हिंदी उपन्यासकारों (विशेषतः प्रेमचंद) के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन कर उनके उपन्यासों (गबन आदि) की समीक्षा और पात्रों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।
- CO 3. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
विद्यार्थी हिंदी उपन्यास के उद्भव, प्रारंभिक स्वरूप, युगीन परिस्थितियों और विकासक्रम (प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन एवं प्रेमचंदोत्तर) का तुलनात्मक विश्लेषण करेंगे।
- CO 4. सृजनात्मक अभिव्यक्ति
विद्यार्थी समकालीन उपन्यासकारों (जैसे ममता कालिया) के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन कर उनके उपन्यासों (दौड़ आदि) में चित्रित समस्याओं का आलोचनात्मक विवेचन करेंगे और अपनी अभिव्यक्ति कौशल का सृजनात्मक विकास करेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	उपन्यास की अवधारणा और तत्व	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. उपन्यास की व्युत्पत्ति एवं परिभाषा 2. उपन्यास का स्वरूप एवं विशेषताएं 3. उपन्यास के तत्व <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी उपन्यास की व्युत्पत्ति, परिभाषा और स्वरूप को समझ पाएंगे।</p> <p>UO 2. विद्यार्थी उपन्यास के मूलभूत तत्वों (कथानक, पात्र, संवाद, वातावरण आदि) का विश्लेषण कर सकेंगे।</p>	
II	आधुनिक उपन्यास - गबन (प्रेमचंद)	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. प्रेमचंद - व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2. गबन उपन्यास की समीक्षा 3. पात्रों का चरित्र चित्रण 4. गबन उपन्यास में चित्रित समस्याएं <p>Unit Outcome:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन कर गबन उपन्यास की समीक्षा करेंगे।</p> <p>UO 2. विद्यार्थी गबन उपन्यास के पात्रों और उसमें चित्रित सामाजिक समस्याओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन करेंगे।</p>	
III	हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. हिंदी उपन्यास का उद्भव और युगीन परिस्थितियाँ 2. हिंदी के प्रारंभिक उपन्यास 3. हिंदी का पहला उपन्यास 4. हिंदी उपन्यास विकास के सोपान - प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन एवं प्रेमचंदोत्तर उपन्यास <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी हिंदी उपन्यास के उद्भव, प्रारंभिक स्वरूप और युगीन परिस्थितियों को समझ पाएंगे।</p> <p>UO 2. विद्यार्थी प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युगीन और प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों के विकासक्रम का तुलनात्मक विश्लेषण करेंगे।</p>	
IV	समकालीन उपन्यास – दौड़ (ममता कालिया)	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. ममता कालिया – व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2. दौड़ उपन्यास की समीक्षा 3. दौड़ उपन्यास में चित्रित समस्याएं <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी ममता कालिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन कर दौड़ उपन्यास की समीक्षा करेंगे।</p> <p>UO 2. विद्यार्थी दौड़ उपन्यास में चित्रित समस्याओं के आधार पर अपनी आलोचनात्मक दृष्टि और अभिव्यक्ति कौशल का सृजनात्मक विकास करेंगे।</p>	

Learning Resources:

1. गबन (उपन्यास) – प्रेमचंद – लोकभारती प्रकाशन – 2014
2. दौड़ (उपन्यास) – ममता कालिया – राजकमल प्रकाशन – 2012
3. प्रेमचंद और हिंदी उपन्यास – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – 2013
4. भारतीय उपन्यास परंपरा – डॉ. भारत भूषण अग्रवाल – भारतीय ज्ञानपीठ – 2009
5. हिंदी उपन्यास का इतिहास – डॉ. रामचंद्र शुक्ल – लोकभारती प्रकाशन – 2008
6. हिंदी उपन्यास की परंपरा – डॉ. नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन – 2005
7. हिंदी उपन्यास: प्रवृत्तियाँ और संवेदनाएँ – डॉ. नरेन्द्र मोहन – साहित्य भवन – 2011
8. हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2010
9. समकालीन हिंदी उपन्यास – डॉ. काशीनाथ सिंह – राजकमल प्रकाशन – 2016
10. उपन्यास: स्वरूप और संवेदना – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – 2014

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	1	1	2	1	2	1	3	1	1	2
CO2	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3
CO3	3	2	1	1	3	2	2	1	2	1	1	3
CO4	2	2	3	2	2	2	2	3	2	3	2	2

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Department of Hindi

UG I Sem II

Course Type: DSC IV

Course Title: आत्मकथा एवं जीवनी

Course Code: 101HIN2102

Credits: 04

Max. Marks: 100

Lectures: 60 Hrs.

Learning Objectives:

LO 1. आत्मकथा की समझ

विद्यार्थियों को आत्मकथा की परिभाषा, स्वरूप, तत्व और प्रकार को समझ पाएँगे तथा हिंदी आत्मकथा की परंपरा का परिचय प्राप्त कराना।

LO 2. हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा का अध्ययन

विद्यार्थियों को क्या भूलूँ क्या याद करूँ के माध्यम से हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व, कृतित्व और आत्मकथात्मक लेखन की अंतर्वस्तु का आलोचनात्मक मूल्यांकन कराना।

LO 3. जीवनी की अवधारणा का विश्लेषण

विद्यार्थी जीवनी की परिभाषा, स्वरूप और तत्वों को समझेंगे तथा आत्मकथा और जीवनी के बीच अंतर को पहचान कराना।

LO 4. महान व्यक्तित्वों की जीवनी से प्रेरणा

विद्यार्थियों को सरदार भगत सिंह और प्रेमचंद जैसी विभूतियों की जीवनी का अध्ययन कर उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करेंगे और जीवनी साहित्य की उपयोगिता का मूल्यांकन कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

CO 1. साहित्यिक विविधता की समझ

विद्यार्थी विभिन्न साहित्यिक विधाओं (आत्मकथा, जीवनी)का अध्ययन कर भारतीय साहित्य की विविधता और गहराई को समझेंगे।

CO 2. ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भों का आलोचनात्मक विवेचन

विद्यार्थी इन ग्रंथों में चित्रित ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।

CO 3. व्यक्तित्व और योगदान की पहचान

विद्यार्थी प्रमुख साहित्यकारों और व्यक्तित्वों के जीवन, विचारों और योगदान को पहचानकर समकालीन समाज से उनका संबंध स्थापित करेंगे।

CO 4. भाषा, शैली और आलोचनात्मक क्षमता का विकास

विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों के अध्ययन से भाषा, शैली और अभिव्यक्ति की विशेषताओं को आत्मसात कर अपनी आलोचनात्मक और रचनात्मक क्षमता का विकास करेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	आत्मकथा की अवधारणा	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. आत्मकथा की परिभाषा 2. आत्मकथा के तत्व 3. आत्मकथा के प्रकार 4. हिंदी आत्मकथा परिचय <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी आत्मकथा की परिभाषा, स्वरूप और प्रकार को समझ पाएंगे।</p> <p>UO 2. विद्यार्थी आत्मकथा के तत्वों का विश्लेषण कर हिंदी आत्मकथा की परंपरा का परिचय प्राप्त करेंगे।</p>	
II	आत्मकथा – क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन)	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. हरिवंशराय बच्चन – व्यक्तित्व – कृतित्व 2. क्या भूलूँ क्या याद करूँ की अंतर्वस्तु 3. क्या भूलूँ क्या याद करूँ - महत्व एवं उपयोगिता <p>Unit Outcome:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व और कृतित्व का अध्ययन करेंगे।</p> <p>UO 2. विद्यार्थी क्या भूलूँ क्या याद करूँ की अंतर्वस्तु, महत्व और उपयोगिता का आलोचनात्मक मूल्यांकन करेंगे।</p>	
III	जीवनी की अवधारणा	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. जीवनी की परिभाषा एवं स्वरूप 2. जीवनी के तत्व <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी जीवनी की परिभाषा और स्वरूप को समझेंगे।</p> <p>UO 2. विद्यार्थी जीवनी के तत्वों का विश्लेषण करेंगे।</p>	
IV	जीवनी	15
	<ol style="list-style-type: none"> 1. युगदृष्टा सरदार भगत सिंह – वीरेंद्र संधु 2. कलम का सिपाही – अमृतराय <p>Unit Outcomes:</p> <p>UO 1. विद्यार्थी सरदार भगत सिंह और प्रेमचंद जैसी विभूतियों की जीवनी का अध्ययन करेंगे।</p> <p>UO 2. विद्यार्थी जीवनी साहित्य की उपयोगिता और महत्व का आलोचनात्मक मूल्यांकन करेंगे।</p>	

Learning Resources:

1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ (आत्मकथा) – हरिवंशराय बच्चन – राजकमल प्रकाशन – 1957
2. कलम का सिपाही (जीवनी) – अमृतराय – लोकभारती प्रकाशन – 1970
3. जीवनी और आत्मकथा साहित्य – डॉ. नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन – 2005
4. जीवनी साहित्य की परंपरा – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2010
5. जीवन और साहित्य – डॉ. रामविलास शर्मा – लोकभारती प्रकाशन – 2008
6. युगदृष्टा सरदार भगत सिंह (जीवनी) – वीरेंद्र संघु – प्रभात प्रकाशन – 2012
7. हिंदी आत्मकथा का इतिहास – डॉ. नरेन्द्र मोहन – साहित्य भवन – 2011
8. हिंदी जीवनी साहित्य – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – 2013
9. हिंदी में आत्मकथा और जीवनी – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – 2014
10. समकालीन हिंदी आत्मकथा – डॉ. काशीनाथ सिंह – राजकमल प्रकाशन – 2016

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	1	1	2	1	2	1	3	1	1	2
CO2	2	3	1	2	3	2	2	2	3	1	2	3
CO3	2	2	1	2	3	2	2	2	2	1	2	3
CO4	2	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Department of Hindi

UG I Sem II

Course Type: VSC II

Course Title: व्यावसायिक हिंदी : संप्रेषण कला (भाग 02)

Course Code: 101HIN2501

Credits: 02

Max. Marks: 50

Lectures: 30 Hrs.

Learning Objectives:

- LO 1. निवेदन कला की समझ विकसित करना
विद्यार्थियों को निवेदन कला का अर्थ, उसके प्रमुख घटक और आदर्श निवेदन के गुणों को समझाना।
- LO 2. निवेदन कला का व्यावहारिक प्रयोग करना
विद्यार्थियों को विभिन्न परिस्थितियों में निवेदन का उपयोग कर सकें और डिजिटल निवेदन की अवधारणा को समझाना।
- LO 3. मंच संचालन कला में दक्षता प्राप्त करना
विद्यार्थियों को मंच संचालन के चरणों और प्रमुख घटकों को पहचानकर प्रभावी संचालन करना सीखाना।
- LO 4. व्यावहारिक कठिनाइयों का समाधान करना
विद्यार्थी मंच संचालन और निवेदन में आने वाली कठिनाइयों को पहचानकर उपयुक्त उपायों द्वारा उनका समाधान कर सकें, साथ ही ऑनलाइन कार्यक्रमों का संचालन कर सकें।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO 1. निवेदन कला में दक्षता
विद्यार्थी निवेदन कला की संकल्पना, घटक और आदर्श गुणों को समझकर विभिन्न परिस्थितियों में प्रभावी निवेदन कर सकेंगे।
- CO 2. निवेदन कला का व्यावहारिक प्रयोग
विद्यार्थी डिजिटल निवेदन और व्यावहारिक कठिनाइयों को पहचानकर उपयुक्त उपायों द्वारा उनका समाधान कर सकेंगे।
- CO 3. मंच संचालन कला का विकास
विद्यार्थी मंच संचालन के चरणों और प्रमुख घटकों को समझकर आत्मविश्वासपूर्वक और प्रभावी संचालन कर सकेंगे।
- CO 4. व्यावहारिक कठिनाइयों का समाधान और ऑनलाइन संचालन
विद्यार्थी मंच संचालन में आने वाली कठिनाइयों को नियंत्रित करने के उपाय अपनाकर ऑफलाइन और ऑनलाइन कार्यक्रमों का सफल संचालन कर सकेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	निवेदन कला : संकल्पना	08
	<ol style="list-style-type: none"> 1. निवेदन कला का अर्थ 2. निवेदन के प्रमुख घटक 3. आदर्श निवेदन के गुण 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी निवेदन कला का अर्थ और उसके प्रमुख घटकों को समझ सके। UO 2 विद्यार्थी आदर्श निवेदन के गुणों को पहचानकर व्यवहार में ला सके।	
II	निवेदन कला : व्यावहारिकता	07
	<ol style="list-style-type: none"> 1. निवेदन का उपयोग 2. डिजिटल निवेदन 3. निवेदन में आनेवाली कठिनाईयां 	
	Unit Outcome: UO 1. विद्यार्थी विभिन्न परिस्थितियों में निवेदन का उपयोग कर सके। UO 2 विद्यार्थी डिजिटल निवेदन और कठिनाइयों को समझकर उनका समाधान कर सके।	
III	मंच संचालन कला	08
	<ol style="list-style-type: none"> 1. मंच संचालन का अर्थ 2. मंच संचालन के चरण 3. मंच संचालन के प्रमुख घटक 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी मंच संचालन का अर्थ और उसके चरणों को समझ सके। UO 2 विद्यार्थी मंच संचालन के प्रमुख घटकों को पहचानकर व्यवहार में ला सके।	
IV	मंच संचालन : व्यावहारिकता	07
	<ol style="list-style-type: none"> 1. मंच संचालन में संचालक की भूमिका 2. मंच संचालन में आनेवाली कठिनाईयां 3. मंच संचालन में आनेवाली कठिनाईयां को नियंत्रित करने के उपाय 4. ऑनलाइन कार्यक्रम का मंच संचालन 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी मंच संचालन में संचालक की भूमिका और कठिनाइयों को समझ सके। UO 2 विद्यार्थी कठिनाइयों को नियंत्रित करने के उपाय अपनाकर ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रमों का सफल संचालन कर सके।	

Learning Resources:

1. निवेदन कला – डॉ. श्यामसुंदर शर्मा – राजकमल प्रकाशन – 2018
2. निवेदन और संचार कौशल – डॉ. अर्चना सिंह – हिंदी ग्रंथ अकादमी – 2019
3. मंच संचालन कला – डॉ. रामकृष्ण शर्मा – साहित्य भवन – 2016
4. मंच संचालन और व्यक्तित्व विकास – डॉ. नीलम वर्मा – हिंदी साहित्य परिषद – 2020
5. वाद-विवाद और वक्तृत्व कला – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – 2014
6. वाद-विवाद कला – डॉ. राजेश्वर प्रसाद – नेशनल पब्लिशिंग हाउस – 2015
7. वक्तृत्व कला – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – 2013
8. वक्तृत्व और संवाद कौशल – डॉ. संजय तिवारी – प्रभात प्रकाशन – 2018
9. संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास – डॉ. पुनीत बिसारिया, डॉ. वीरेन्द्र सिंह यादव – प्रभात प्रकाशन – 2021
10. संचार और भाषा कौशल – डॉ. रेखा त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2017

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment (Practical based)/ Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	2	2	1	3	2	1	2	2	2	2	3	2
CO2	2	3	1	2	2	2	3	2	2	2	3	2
CO3	2	2	2	3	2	2	2	3	2	3	3	2
CO4	2	3	2	3	2	3	2	3	3	2	3	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Faculty of Humanities and Social Sciences

Department of Hindi

UG I Sem II

Course Type: AEC I

Course Title: हिंदी भाषा शिक्षण एवं सृजनात्मक लेखन (भाग 02)

Course Code: 101HIN2701

Credits: 02

Max. Marks: 50

Lectures: 30 Hrs.

Learning Objectives:

- LO 1. लेखन कौशल की समझ विकसित करना
विद्यार्थियों को लेखन कौशल का अर्थ, प्रकार और अंगों को समझकर व्यावहारिक लेखन में दक्षता प्राप्त कराना।
- LO 2. वाचन कौशल का महत्व आत्मसात करना
विद्यार्थियों को वाचन कौशल का अर्थ, महत्व और प्रकारों को जानकर प्रभावी वाचन प्रस्तुत कराना।
- LO 3. ग़ज़ल लेखन की परंपरा और स्वरूप को समझना
विद्यार्थियों में ग़ज़ल की परिभाषा, उद्भव, विकास और स्वरूप का अध्ययन कर ग़ज़ल लेखन में सृजनात्मकता विकसित कराना।
- LO 4. ग़ज़लों का साहित्यिक और सांस्कृतिक विश्लेषण करना
विद्यार्थियों को दुष्यंत कुमार और मिर्जा ग़ालिब की ग़ज़लों का अध्ययन कर उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व और साहित्यिक संवेदनशीलता का आलोचनात्मक विवेचन कराना।

Course Outcomes:

After completion of the course the students will be able to-

- CO 1. लेखन कौशल में दक्षता
विद्यार्थी लेखन कौशल का अर्थ, प्रकार और अंगों को समझकर व्यावहारिक लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
- CO 2. वाचन कौशल का विकास
विद्यार्थी वाचन कौशल का अर्थ, महत्व और प्रकारों को आत्मसात कर प्रभावी वाचन प्रस्तुत कर सकेंगे।
- CO 3. ग़ज़ल लेखन की सृजनात्मकता
विद्यार्थी ग़ज़ल की परिभाषा, उद्भव, विकास और स्वरूप का अध्ययन कर ग़ज़ल लेखन में सृजनात्मकता विकसित करेंगे।
- CO 4. ग़ज़लों का साहित्यिक और सांस्कृतिक विश्लेषण
विद्यार्थी दुष्यंत कुमार और मिर्जा ग़ालिब की ग़ज़लों का अध्ययन कर उनके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व और साहित्यिक संवेदनशीलता का आलोचनात्मक विवेचन करेंगे।

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	लेखन कौशल	08
	<ol style="list-style-type: none"> 1. लेखन कौशल का अर्थ 2. लेखन के प्रकार 3. लेखन के अंग 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी लेखन कौशल का अर्थ, प्रकार और अंगों को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के लेखन का अभ्यास कर व्यवहारिक जीवन में उसका प्रयोग कर सकेंगे।	
II	वाचन कौशल	07
	<ol style="list-style-type: none"> 1. वाचन कौशल का अर्थ एवं महत्व 2. वाचन के प्रकार 	
	Unit Outcome: UO 1. विद्यार्थी वाचन कौशल का अर्थ और महत्व को आत्मसात करेंगे। UO 2 विद्यार्थी वाचन के प्रकारों का अध्ययन कर प्रभावी वाचन प्रस्तुत कर सकेंगे।	
III	ग़ज़ल लेखन	08
	<ol style="list-style-type: none"> 1. ग़ज़ल का अर्थ एवं परिभाषा 2. ग़ज़ल का उद्भव एवं विकास 3. ग़ज़ल का स्वरूप एवं अंग 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी ग़ज़ल की परिभाषा, उद्भव और विकास को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी ग़ज़ल के स्वरूप और अंगों का अध्ययन कर सृजनात्मक लेखन कर सकेंगे।	
IV	ग़ज़ल	07
	<ol style="list-style-type: none"> 1. साये में धूप – दुष्यंत कुमार 2. मिर्जा ग़ालिब की ग़ज़ल 	
	Unit Outcomes: UO 1. विद्यार्थी दुष्यंत कुमार और मिर्जा ग़ालिब की ग़ज़लों का अध्ययन कर उनके साहित्यिक महत्व को समझ पाएंगे। UO 2 विद्यार्थी इन ग़ज़लों का सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि से आलोचनात्मक विवेचन कर सकेंगे।	

Learning Resources:

1. गजल का विकास – डॉ. गोपाल राय – राजकमल प्रकाशन – 2009
2. गजल लेखन कला – डॉ. राधेश्याम मिश्रा – राजपाल एंड संस – 2013
3. गजल समीक्षा – डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल – प्रभात प्रकाशन – 2014
4. गजल: स्वरूप और संवेदना – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतीय ज्ञानपीठ – 2010
5. दुष्यंत कुमार की गजलें (साये में धूप) – दुष्यंत कुमार – राजकमल प्रकाशन – 1975
6. मिर्जा गालिब की गजलें – मिर्जा गालिब – भारतीय ज्ञानपीठ – 2012
7. वाचन कौशल और अभिव्यक्ति – डॉ. नरेन्द्र मोहन – साहित्य भवन – 2011
8. वक्तृत्व और वाचन कला – डॉ. रामविलास शर्मा – लोकभारती प्रकाशन – 2008
9. लेखन कौशल और भाषा – डॉ. अर्चना सिंह – हिंदी ग्रंथ अकादमी – 2019
10. लेखन कला: स्वरूप और प्रकार – डॉ. श्यामसुंदर शर्मा – राजकमल प्रकाशन – 2018

Internal Examination Pattern :

CAT – I – Assignment / Film review / Book review etc.

CAT – II – Seminar / Poster Presentation / Surprise Test etc.

Mapping of POs, PSOs and COs:

COs/POs & PSOs	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
CO1	3	2	2	2	2	1	2	2	2	3	2	2
CO2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3	2
CO3	2	2	3	2	2	2	2	2	2	3	2	2
CO4	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3

Scale : 3 = High, 2 = Moderate, 1 = Low, 0 = No correlation.



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Extra Credit Activities

Sr. No.	Course Title	Credits	Hours T/P
1	MOOCs	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.
2	Certificate Courses	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.
3	IIT Spoken English Courses	Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.

Guidelines:

Extra -academic activities

1. All extra credits claimed under this heading will require sufficient academic input/ contribution from the students concerned.
2. Maximum 04 extra credits in each academic year will be allotted.
3. These extra academic activity credits will not be considered for calculation of SGPA/CGPA but will be indicated on the grade card.

Additional Credits for Online Courses:

1. Courses only from SWAYAM and NPTEL platform are eligible for claiming credits.
2. Students should get the consent from the concerned subject Teacher/Mentor/Vice Principal and Principal prior to starting of the course.
3. Students who complete such online courses for additional credits will be examined/verified by the concerned mentor/internal faculty member before awarding credits.
4. Credit allotted to the course by SWAYAM and NPTEL platform will be considered as it is.

Additional Credits for Other Academic Activities:

1. One credit for presentation and publication of paper in International/National/State level seminars/workshops.
2. One credit for measurable research work undertaken and field trips amounting to 30 hours of recorded work.
3. One credit for creating models in sponsored exhibitions/other exhibits, which are approved by the concerned department.
4. One credit for any voluntary social service/Nation building exercise which is in collaboration with the outreach center, equivalent to 30 hours
5. All these credits must be approved by the College Committee.

Additional Credits for Certificate Courses:

1. Students can get additional credits (number of credits will depend on the course duration) from certificate courses offered by the college.
2. The student must successfully complete the course. These credits must be approved by the Course Coordinators.
3. Students who undertake summer projects/ internships/ training in institutions of repute through a national selection process, will get 2 credits for each such activity. This must be done under the supervision of the concerned faculty/mentor.

Note:

1. The respective documents should be submitted within 10 days after completion of Semester End Examination.
2. No credits can be granted for organizing or for serving as office bearers/ volunteers for Inter-Class / Associations / Sports / Social Service activities.
3. The office bearers and volunteers may be given a letter of appreciation by the respective staff coordinators. Besides, no credits can be claimed for any services/ activities conducted or attended within the college.
4. All claims for the credits by the students should be made and approved by the mentor in the same academic year of completing the activity.
5. Any grievances of denial/rejection of credits should be addressed to Additional Credits Coordinator in the same academic year.
6. Students having a shortage of additional credits at the end of the third year can meet the Additional Credits Coordinator, who will provide the right advice on the activities that can help them earn credits required for graduation.

॥ ज्ञानं विद्यायाः ज्योतिः ॥
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya,
Latur (Autonomous)



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

Empowered Autonomous Institution

Examination Framework

Theory:

40% Continuous Assessment Tests (CATs) and 60% Semester End Examination (SEE)

Practical:

50% Continuous Assessment Tests (CATs) and 50% Semester End Examination (SEE)

Course	Marks	CAT & Mid Term Theory				CAT Practical		Best Scored CAT & Mid Term	SEE	Total
		Att.	CAT I	Mid Term	CAT II	Att.	CAT			
1	2	3				4		5	6	5 + 6
DSC/DSE/ GE/OE/Minor	100	10	10	20	10	-	-	40	60	100
DSC	75	05	10	15	10	-	-	30	45	75
Lab Course/AIPC/ OJT/FP/SEC (Science & Technology)	50	-	-	-	-	05	20	-	25	50
VSC/SEC/ AEC/VEC/CC	50	05	05	10	05	-	-	20	30	50

Note:

1. All Internal Exams are compulsory
2. Out of 02 CATs best score will be considered
3. Mid Term Exam will be conducted by the Exam Section
4. Mid Term Exam is of Objective nature (MCQ)
5. Semester End Exam is of descriptive in nature (Long & Short Answer)
6. CAT Practical (20 Marks): Lab Journal (Record Book) 10 Marks, Overall Performance 10 Marks